eISSN 2581-8996
[Date]
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 3, Issue 02, July 2020

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों का प्रयोग

[1]मनीष पटेल
[1]सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र, राजकीय महिला महाविद्यालय, झाँसी

Received: 13 July 2020, Accepted: 27 July 2020, Published on line: 30 Sep 2020

Abstract

भारत गाँवो का देश है। भारत की एक बडी आबादी गाँवो में निवास करती है। 2011 की जनगणना के अनुसार 83.3 करोड़ लोग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं। इतनी विशाल जनसंख्या को समावेशी विकास की प्रक्रिया से जोड़कर ही हम विकसित भारत की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं।

Keywords- ग्रामीण भारत, स्वास्थ्य क्षेत्र, डिजिटल तकनीकि एवं प्रयोग।

Introduction

समान अवसरों के साथ विकास करना (Growth with Equal Opportunity) ही समावेशी विकास है। समावेशी विकास के घटक हैं– सबके लिये आवास, भोजन, पेयजल, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा गरिमापूर्ण जीवन आदि।

स्पष्ट है कि स्वास्थ्य समावेशी विकास का एक महत्वपर्ण घटक है। जहां तक ग्रामीण क्षैत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रश्न है तो हम देखते हैं कि बहुत से क्षेत्र मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और स्वास्थ्य उपकेन्द्र, पी0एच0सी0 व सी0एच0सी0 की दशाएं भी बहुत बेहतर नहीं हैं।

इस बदहाल स्वास्थ्य परिदृश्य में डिजिटल तकनीकों (प्रौद्योगिकी) ने ग्रामीण भारत की स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में परिवर्तन की व्यापक संभावनाओं को उत्पन्न किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 सभी स्वास्थ्य सेवाओ को प्रदान करने की उपलब्धता और प्रभाविता को बढाने हेतु डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाने के लिए बल देती है। चूंकि गाँवो में चिकित्सकों की उपलब्धता अन्तर्राष्ट्रीय मानकों से काफी नीचे हैं इस कारण ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेक्टर में इनका उपयोग और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों तक इंटरनेट की उपलब्धता और मोबाइल उपकरणों के प्रसार ने मरीजों की चिकित्सकों तक पहुँच आसान बना दी है। मरीजों की सर्जरी को छोडकर बहुत सी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रत्यक्ष सम्पर्क के बिना उपलब्ध हो जाती हैं।

डिजिटल तकनीकों के विभिन्न अनुप्रयोग जिनका कि ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे में सुधार लाने में प्रयोग किया जा सकता है। उसे निम्न रूप में देख सकते है–

eISSN 2581-8996
[Date]
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 3, Issue 02, July 2020

I **टेलीमेडिसिन**:–डिजिटल स्वास्थ्य केंन्द्रों द्वारा टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इसके द्वारा मरीज अपने गांव में रहकर ही इंटरनेट के जरिये डॉक्टर से चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर सकता है। इसके माध्यम से न केवल एलोपैथी बल्कि होम्योपैथी, आयुर्वेद और अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श ले सकता है।

II **ई–अस्पताल**:–मरीजों तथा अस्पतालों से जुड़ी हुई सभी छोटी बडी सेवाओं, सुविधाओं, प्रबन्धन व प्रशासन को सरल, सहज व सुविधाजनक क्रियान्वयन के लिए बनाई गई एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है जिसमें बहुत से अनुप्रयोग प्रबन्धन लागू होते हैं–

मरीजो का पंजीकरण, क्लीनिक, आई0पी0डी0, प्रयोगशाला, फार्मेसी, नर्सिंग, एच0आर0, भंडारण, उपकरण प्रबन्धन व चिकित्सा बीमा आदि।

सी डैक संगठन तथा पी0जी0आई0 लखनऊ ने Hospital Information System का विकास किया है । इसके माध्यम से सूचना तकनीकों के अनुप्रयोगों द्वारा अस्पतालों , मरीजों तथा चिकित्सकों के दस्तावेज तथा मेडिकल रिकार्ड आदि को व्यवस्थित रूप से इकठ्ठा किया जाता है।

III **मदर एंड चाइल्ड ट्रैंकिग सिस्टम**:– सभी गर्भवती महिलाओं को समय पर प्रसव–पूर्व व प्रसव के बाद सेवाऐं प्रदान करने तथा सभी बच्चों के टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2010 में सभी राज्यों और केन्द्रशासित क्षेत्रों में एक वेब आधारित प्रणाली लागू की जिसे मदर एंड चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम (एमसीटीएस) के नाम से जाना जाता है। यह सभी गर्भवती महिलाओं और पाँच वर्ष तक तक के बच्चों के व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम पता, मोबाइल नंबर आदि दर्ज करता है। एमसीटीएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी गर्भवती महिलाओ को पूर्ण और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व और प्रसव के बाद देखभाल सेवाएं प्राप्त हों और सभी बच्चों को टीकाकरण सेवाओ की पूरी श्रृखंला उपलब्ध हों। एमसीटीएस के तहत लाभार्थियों को उपयुक्त स्वस्थ्य जागरूकता संदेश उनके मोबाइल पर भेजे जा रहे हैं। ये संदेश गर्भावस्था या बच्चे की जन्मतिथि के आधार पर समय–समय पर लाभार्थियों को भेजे जाते हैं।

VI **किलकारी**:–आई0वी0आर0एस0 आधारित ऐप्प किलकारी के माध्यम से मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े ऑडियो सन्देश गर्भवती महिलाओं को भेजे जाते हैं। यह 118 संदेशों की श्रृंखला हैं जो चरणबद्ध तरीके से उनकी जरूरतों को पेशेवर ढंग से पूरित करते हैं। इन संदेशो को मोबाइल के जरिए संबधित प्रभावितों तक भेजा जाता है। इस योजना का मुख्य फोकस राज्यों के तत्सम्बन्धी प्राथमिकता वाले जिलों पर होता है।

V **स्वच्छ भारत वेबसाइट**:– स्वच्छता का स्वास्थ्य से सीधा सम्बन्ध हैं अतः स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए प्रयुक्त यह वेबसाइट महत्वपूर्ण भमिका अदा करती हैं। इससे कोई भी जुड़ सकता है और इस पर आकर देशभर में चल रहे स्वच्छता अभियान का जायजा ले सकता है। कोई भी इससे

eISSN 2581-8996
[Date]
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 3, Issue 02, July 2020

जुड़ इसमें पंजीकरण करा सकता है। इसके बाद यहाँ खुद के किए जा रहे स्वच्छता संबधी कार्यो की तस्वीरें साझा कर सकता है । ये वेबसाइट देशवासियों को सफाई के लिये प्ररित करती है।

VI **स्वच्छ भारत ऐप्प**:–राष्ट्रीय सूचना केन्द्र के साथ मिलकर पेयजल एवं स्वच्छता मत्रांलय ने एक मोबाइल आधारित एप्लीकेशन लांच किया हैं। इससे स्वच्छ भारत अभियान को मजबूती मिलेगी। फिलहाल यह सेवा केवल एंड्रायड धारकों को ही उपलब्ध है। इस सेवा का ऑफलाइन संस्करण भी मौजूद है।

इस ऐप्प की मदद से उपयोगकर्ता घरेलू शौचालय की तस्वीरें अपलोड कर सकते हैं । जी0पी0एस0 की मदद से उन्हे टैग भी कर सकते हैं। लाभार्थी का विवरण उसके अंक्षाश और देशान्तर के साथ एसबीएम सर्वर मे सहेज कर रखा जा सकता है।

उपरोक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि प्राथमिक स्वास्थ्य के क्षैत्र मे मितव्ययिता पर आधारित ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और बेहतरी के लिए डिजिटल तकनीकों का प्रयोग अपरिहार्य हो गया है। जैस जैसे उन्नत तकनीकी ढांचे का विस्तार होगा वैसे वैसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओ की पहुँच ग्रामीण क्षेत्रों तक बढती जाएगी।

सन्दर्भ सूची

1– सारस्वत, ऋतु (2014), 'चिकित्सकों की कमी से जुझता ग्रामीण भारत';
योजना, नई दिल्ली, फरवरी, पृ0 35–37

2– दाधीच, बालेन्दु (2015),' स्वास्थ्य सुविधाओ और चिकित्सालयों के ई कायाकल्प की ओर';
कुरूक्षेत्र, नई दिल्ली, जुलाई पृ0 9–11

3– तिवारी, सुधीर(2015), 'मातृ शिशु देखभाल की दिशा में नए प्रयास';
कुरूक्षेत्र, नई दिल्ली, जुलाई, पृ0 12–17

4–सिंह, अमित कुमार (2016), 'ई–हॉस्पिटल से स्मार्ट बनता स्वास्थ्य तंत्र';
योजना, नई दिल्ली, फरवरी, पृ0 35–37

5– Mishra, Ayush (2018),^Tele Medicine: A New Healthcare Opportunity^;
Kurukshetra, New Delhi, November ,P 52-53